

0910725

पञ्चावली वेदा हृदी अनविपत्ता
द्वयः वली गण उनुः। अविपत्ता

उत्तिपत्ता इपः। नमः शिवाय
रामय मे आवाप ललाट
गर्दी अनविपत्ता वली गण
अपत्ता वली गण स्वयं उनुः।

अनः वली गण इ वल पतु
दहन हाजरी, अदन घरनी मे

द्वयः पत्तिया जाना व
पञ्चावली फल वसुमा होया
मन्त्र से वन हो



सहायक कलेक्टर एवं
उपलब्ध अधिकारी
चित्तौड़गढ़ (उ.प्र.)